MR. CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka): How is it that with the new Health Minister everybody seems to have to go abroad for treatment unfortunately?

MR. CHAIRMAN: The weather is bad.

REFERENCE TO ERECTION OF THE STATUE OF MAHATMA GANDHI AT INDIA GATE

श्री श्रीकान्त वर्मा (मध्य प्रदेश) : सभापति महोदय, यहां निर्माण और आवास मंत्री. . . . .

MR. CHAIRMAN: A bit louder please. Please come to the mike.

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka): Opposition mikes are not functioning. Our mikes have been switched off.

श्री श्रीकान्त वर्मा : सभापति महोदय, यहा निर्माण और आवास मंत्री जी मौजूद है और उनकी उपस्थिति का फायदा उठाते हुए मै उन्हीं के मंत्रालय से संबंधित एक बहुत महत्वपूर्ण लेकिन गैर-राजनीतिक मसले की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और वह मामला है महात्मा गांधी की प्रतिमा को इंडिया गेट पर स्थापित करने का । यह एक बडा दुखद फैसला है क्योंकि इंडिया गेट, नयी दिल्ली का एक हिस्सा है जिसको लुटियन्स ने बसाया था और लुटियन्स की जो कल्पना थी, आर्किटेक्चर की उस कल्पना को नष्ट नहीं किया जा सकता । महात्मा गांधी ने कभी यह नहीं चाहा था कि उनकी प्रतिमायें बनायी जायं और उनको उनकी प्रतिमाओं के कारण याद रखा जाय, क्योंकि महात्मा गांधी को वैसे भी लोग भूल नहीं सकते । लेकिन, खैर ऐसे समय मे जबकि महात्मा गांधी की चरित्र हत्या हो रही है और गोडसे की पूजा हो रही है, सिकन्दर बख्त साहब ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को लगाने का फैसला किया तो उसका स्वागत है । लेकिन यह गलत जगह पर लगाया जा रहा है । पेरिस के अन्दर कोनकोर्ड में किसी संत की या किसी महात्मा की प्रतिमा मैंने नही देखी । वहा केवल एक सौन्दर्य को जागृत करने की कोशिश की गई क्योंकि इन जगहों का सौन्दर्य की दृष्टि मे महत्व होता है । उनका महत्व राजनीतिक नही होता है ।

इसी तरह मास्को मे या लेनिनग्राड में बहुत मे युद्ध के स्मारक है और मास्को और लेनिनग्राड के लोग भी लेनिन और टालस्टाय की बड़ी इज्जत करते है, लेकिन उन युद्ध स्मारकों पर उन्होंने अपने सोल्जर्स की प्रतिमायें स्थापित की है, वहां पर लेनिन की प्रतिमा स्थापित नही की है क्योंकि लेनिन का द्वितीय विश्वयुद्ध से ताल्लुक नही था । इसलिए मै मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि सरकार इस सारे सवाल पर विचार करे और गजेन्द्रगडकर समिति की रिपोर्ट को पढ़े जिसमे स्पष्ट रूप से कहा गया था कि महात्मा गाधी की प्रतिमायें जगह जगह पर स्थापित कर न केवल महात्मा गांधी का अपमान किया जा रहा है बल्कि समूची कला कल्पना को नष्ट किया जा रहा है ।

अर्बन आर्ट कमीशन ने भी यह बात कही है कि इन प्रतिमाओं को जगह जगह पर, चौराहों पर स्थापित करने की कल्पना मूल रूप से पश्चिमी है । हिन्दुस्तान मे इस तरह की कल्पना नहीं रही और ये सौन्दर्य को नष्ट करती हैं । इसलिए मैं उनसे आग्रह करना चाहता हूं कि अर्बन आर्ट कमीशन की सिफारिशों को मानें, गजेन्द्रगडकर समिति की सिफारिशों को मानें और महात्मा गाधी की प्रतिमा को इंडिया गेट से जहां वह स्थापित करना चाहते हैं, हटाकर चांदनी चौक मं लगायें, अपनी लोकलिटी मे ले जायें और सदर बाजार मं ले जायें जहां कि हिन्दु-मुस्लिम दंगे हुआ करते हैं । वहां साम्प्रदायिक एकता की ज्यादा जरूरत है । आप लुटियन्स

की कल्पना को नष्ट न करें और साथ ही साथ महात्मा गांधी का निरादर न करें।

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : श्रीमन्, मैं इस बात से बिलकुल इत्तिफाक करता हूं कि नई दिल्ली और खास तौर से नई दिल्ली का वह हिस्सा जहां यह फैसला किया गया है कि यहां महात्मा गांधी का बुत लगाया जाए, यह खूबसूरत जगह है और उसको खूबसूरत ही रहना चाहिए। लेकिन मैं सम्मानित सदस्य को . . .

(Interruptions)

SHRI N. G. RANGA (Andhra Pradesh): Where? At the India Gate, I hope.

श्री सिकन्दर बख्त : जी हां। मैं बताना चाहूंगा कि हमारे युग में हम ऐसा मानते हैं कि महात्मा गांधी से ज्यादा खूबसूरत कोई दूसरी हस्ती पैदा नहीं हुई और महात्मा गाधी का बुत वहां लगाने से वहां की खूबसूरती में इजाफा होगा।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि उन्होंने फरमाया है कि अर्बन आर्टस कमीशन की सिफारिशात पर गौर करूं। मैं आनरेबुल मैम्बर की इत्तिला के लिए अर्ज करना चाहूंगा कि अर्बन आर्टस कमीशन ने इसका फैसला किया है कि महात्मा गांधी का बुत वहा लगाया जाए।

तीसरी बात यह अर्ज करना चाहता हूं कि इसका मुझे थोड़ा-सा रंज है.

श्री श्रीकान्त वर्मा : हबीब रहमान ने इसका विरोध किया है।

श्री सिकन्दर बख्त : विरोध किया था, किया नहीं है। केवल टेन्स में फर्क है।

तीसरी बात मैं यह अर्ज करना चाहता हूं, जिसका मुझे रंज है कि एक ओर तो माननीय सदस्य कहते हैं कि जगह जगह गली कूचों में न लगाए जाए, लेकिन महात्मा गांधी जैसी शख्सियत का बुत वह चांदनी चौक मे कहते है लगाया जाए, यह बात मेरी समझ में नहीं आती।

SHRI N. G. RANGA: When are they going to have it, Sir?

श्री सिकन्दर बख्त : यह सवाल था नहीं, फिर भी मै बताना चाहता हूं कि मुल्क के बेहतरीन बुत-तराशों से नमूने मांगे जा रहे हैं, उनके नमूने मंगाने के बाद यह फैसला किया जाएगा कि कौन सा अच्छा है और जल्द से जल्द इसको स्थापित किया जाएगा।

REFERENCE TO STRIKE BY WORKERS OF RANA PRATAP SAGAR ATOMIC PROJECT, KOTA

श्री कल्पनाथ राय (उत्तर प्रदेश) : आदरणीय सभापति महोदय, कोटा में तीन महीने पहले से प्रताप सागर अटामिक प्रोजेक्ट के चार हजार मजदूर हड़ताल कर रहे है। 6 सितम्बर को उन्होंने अपनी 9 मांगों का एक चार्टर आफ डिमांडस प्रस्तुत किया और तीन महीने से लगातार वहा एकदम हड़ताल है और मजदूरों की मांगें उचित है। राज्य सरकार इस लिए वहां के मामले में दखल नहीं दे सकती क्योंकि यह मामला केन्द्रीय सरकार का है। इसलिए राज्य सरकार ने वहां धारा 144 लगा दी है और पूरे एरिया में मारपीट का एक माहौल है। रोज दंगेफ़साद होते है, पचासों वर्कर्स को वर्खास्त कर दिया गया है, करीब दो सौ वर्कर्स को नोटिस दे दी गई है, इस तरह से रोज 40 मिलियन यूनिट बिजली का प्रोजेक्ट जो फायदा करता था उसमें हड़ताल के कारण तीन लाख रुपये प्रतिदिन का नुकसान हो रहा है। चार महीनों से यह हड़ताल चल रही है, मगर यह गूंगी और बहरी सरकार इस समस्या पर विचार करने के लिए भी तैयार नहीं है। वहां के मजदूरों ने प्रधान मंत्री से मिल कर एक चार्टर आफ डिमान्ड पेश किया था। लेकिन श्री मोरारजी देसाई ने कहा कि पहले हड़ताल समाप्त करो। उसके बाद हम तुम्हारी मांगों पर विचार करेंगे।